

प्रेषक,

टीकम सिंह पवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 17 जनवरी 2008

विषय: नाबार्ड वित्त पोषित योजनाओं के लिए वर्ष 2007-08 हेतु धनावंटन प्रस्ताव।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं0-5312/मु0अ0वि0/बजट/बी-1, सामान्य दिनांक 1.12.07 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के अन्तर्गत नाबार्ड वित्त पोषित योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु संलग्न विवरणानुसार रु0 642.87 लाख (रुपये छः करोड़ बयालीस लाख सत्तासी हजार मात्र) व्यय करने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- 1- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं निर्माण कार्य की त्रैमासिक वित्तीय एवं भौतिक प्रगति वित्त विभाग एवं नाबार्ड को भी उपलब्ध कराई जाय।
- 2- उक्त धनराशि का उपयोग नाबार्ड की गाईड लाइन्स का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यकता एवं मितव्ययता का ध्यान रखते हुए किया जाय।
- 3- निर्माण कार्यों में भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 4- आवश्यकतानुसार भूगर्भ वैज्ञानिक/ज्योलोजिस्ट से आवश्यक सहमति प्राप्त की जाय।
- 5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार महालेखाकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 6- धनराशि का कोषागार से आहरण आवश्यकता से अधिक किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।
- 7- कार्य की गुणवत्ता समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।

क्रमशः.....2

(2)

- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि के आहरण से पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जाय कि संलग्नक में उल्लिखित योजनाएँ नाबार्ड द्वारा पूर्व में स्वीकृत की जा चुकी हैं । यदि बिना अनुमोदित योजना पर धनराशि व्यय की जायेगी तो उसके समस्त उत्तरदायित्व विभागाध्यक्ष का ही होगा ।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित सुसंगत उप-लेखाशीर्षकों के नामों में डाला जायेगा ।

यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० संख्या 14/XXVII/(1)/07 दिनांक 16.1.08 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

संलग्न-यथोक्त ।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव ।

संख्या 196 / 11-2008-04(28) / 04 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को संलग्नकों सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, मा० मंत्री सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं पेयजल को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ ।
- 2- महालेखाकार, उत्तराखण्ड ।
- 3- वित्त अनुभाग-1
- 4- नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
- 5- जिलाधिकारी / कोषाधिकारी, हरिद्वार / नैनीताल / उधमसिंहनगर
- 6- बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय देहरादून ।
- 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून ।
- 8- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
- 9- गार्ड फाईल ।

संलग्न-यथोक्त

(एस०एस०टोलिया)
अनु सचिव ।

शासनादेश संख्या 196/11-2008-04(28)/04 दि० 17.01.08 का संलग्नक

(धनराशि लाख रु० में)

क्र० सं०	लेखाशीर्षक/योजना का नाम	आवंटित धनराशि
1	2	3
	4700-मुख्य सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय, 04 नलकूपों का निर्माण, 800 अन्य व्यय, 02-अन्य रखरखाव व्यय, 0201-नाबार्ड वित्त पोषित नलकूपों का निर्माण, 24 वृहद् निर्माण कार्य	
1	RIDF-IX जनपद हरिद्वार में 59 नलकूपों के निर्माण की योजना	36.80
	योग - RIDF-IX	36.80
1	RIDF-XI जनपद नैनीताल के हल्द्वानी कोटाबाग में 30 नलकूपों का निर्माण	100.00
2	जनपद ऊधमसिंह नगर में 20 नलकूपों का निर्माण	50.00
	योग RIDF-XII	150.00
1	RIDF-XII जनपद हरिद्वार में 35 नलकूपों के निर्माण की योजना	156.07
2	जनपद नैनीताल में 23 नलकूपों के निर्माण की योजना	300.00
	योग RIDF-XII	456.07
	महायोग नलकूप	642.87

(रु० छः करोड़ बयालीस लाख सत्तासी हजार मात्र)

(एस०एस० डौलिया)
अनु सचिव।